संन्यो.वि./हिसार/ 97-83/7758.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. हरियाणा राज्य परिवहन, हिसार के श्रीमक श्री वीकर सिंह तथा उसके प्रवत्थकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई मोद्योगिक विवाद है;

श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियागा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 9641-1-श्रम-70/32573, दिनांक 6 नवस्वर, 1970 के साथ पठित सरकारी अधिसूचना सं. 3864-ए एस.ओ. (ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 गई, 1970 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायाख्य, रोधतक, को विवादपस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादपस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:——

क्या श्री बीकर सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. मो.षि./पानीपत/22-83/7765. च्यूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मै.1. हरियाणा लैण्ड रिकलेभेशन एण्ड डिवलैपमैंट कारपोरेशन लि॰ नजदीक संत निरंकारी भवन, नारायण सिंह पार्क, पानीपत 2. हरियाणा लैण्ड रिकलेभेशन एण्ड डिवलैपमैंट कारपोरेशन लि॰, सैक्टर-17, चण्डीगढ़ के श्रमिक श्रीमित नरेश कुमारी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई मौद्योगिक विवाद हैं;

म्रोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, भव, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7(क) के श्रधीन श्रोद्योगिक श्रधिक करण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्याय-निर्णय के निये निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्रीमित नरेश कुमारी की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है ?

सं.भ्रो.वि./हिसार/148-84/7772.—-चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. राम गोपाल हरवन्स लाल फर्म रेलवे रोड़, हिसार, के श्रमिक श्री नत्यू राम तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिल्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रव, श्रीशोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाना के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 9641-1-श्रम-70/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठिस सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 3864-ए. एस.ग्रो. (ई) श्रम 70/13648, दिनाक 8 मई, 1970 द्वारा उक्स ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीम गठित श्रम न्यायालय, रोहरूक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:---

क्या श्री नत्यू राम की सेवाओं का समापन ल्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ओ.वि./हिसार/150-83/7779.--भूंकि हरियाणा के राज्यपान की राय है कि मैं. राम गोपाल हरबन्स लाल कर्म, रेलवे रोड़, हिसार, के श्रमिक श्री जिलोक चन्द तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्याय निर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इस लिए, मब, औद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 9641-1-श्रम 70/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 3864-ए.एस.ग्रो.(ई) श्रम-70/13648, विनांक 8 मई, 1970 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय

हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री जिलोक चन्द की सेवाओं का समापन न्यायीचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं.मो.वि.-हिसार/149-83/7786 -- चूंनि हरियाणों के राज्यपाल की राय है कि मैं. राम गोपाल हरवन्स लाज कर्म रेलवे रोह, हिसार, के श्रमिक श्री मुरारी लाल सथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीक्षोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, प्रव, श्रीक्षोगिक विवाद श्रिष्ठिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई-शक्तियों का प्रयोग करते हुवे, हरियाणा के राज्यनाल इस के द्वारा सरकारी श्रिष्ठसूचना सं. 9641-1-श्रम-70/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी श्रिष्ठसूचना सं. 3864-ए.एस.श्रो. (ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मई, 1970 द्वारा उनत अधिनियम की धारा 7 के श्रिष्ठीन गठित श्रम, न्यायालयं, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उनत प्रवन्धकों तथा श्रीमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उनत विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :--

क्या श्री मरारी लाल की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो वि./पानी/23-84/7795.—-चूंकि राज्यपान, हरियाणा की राय है कि मैं सुपर टायर (प्रा०) लि० 71/3, माईल स्टोन, जी.टी. रोड़, करनाल, के श्रमिक श्री बखशीश सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोद्योगिक विवाद है; है

भौर चुंकि हरियाणा के राज्यनाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रन, ग्रीवोगित विवाद अधिनियन, 1947 की घारा 10 की उपसारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त भ्रधिनियम की घारा 7(क) के श्रधीन श्रीवोगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदावाद, को नीचे विनिद्धिक विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री बखशीश सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

्रवी. एस. चौघरी, उप सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग।